



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Dineshbhai Mohanlal Chhajed

Donated his : Heart, Kidney, Liver & Eyes

Date:- 15/06/2021

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

Surat once again shows the way to organ donation

Family of brain dead 45-year-old donates his heart, liver, kidneys and eyes; give new lease of life to 6 patients; 'green corridor' was set up to transfer the organs



Dineshbhai's heart was transferred to Mumbai within 92 minutes; hospital staff salute the deceased as a mark of respect



Gaurav Khara
feedback@ahmedabadmirror.com

TWEETS @ahmedabadmirror

In the second incident of its kind in Surat, a 45-year-old brain dead man has given new lease of life to six patients. His heart, liver, kidneys and eyes were donated. Green corridor was set up to transfer the organs to other places. His heart has been transplanted in a 30 year old man in Navi Mumbai. The heart was transferred to Mumbai in a green corridor and it took just 92 minutes to cover the distance of 300

This is the 43rd incident of heart transplant in Gujarat; majority of the donors are from Surat. Of these, 22 hearts were donated in Mumbai and five in Ahmedabad

km from Surat to Mumbai.

Dineshbhai who stayed in Maroli developed high blood pressure on June 11. He was rushed to hospital where doctors said that he had paralysis on right side. CT scan showed that blood circulation had stopped on left side. He was shifted to another private hospital in the city where he was declared brain dead.

Looking at his condition, the family decided to donate his organs. His one kidney was given to a 47-year-old woman at Zydus hospital in Ahmedabad.

The 274-km distance between Surat and Ahmedabad was covered in 180 minutes and the woman got a new life.

Another kidney was donated to a 17-year-old girl in Surat. While

his liver was transplanted in a 43-year-old man in Ahmedabad.

This is the 43rd incident of heart transplant in Gujarat and majority of the donors are from Surat. This is the 33rd donation from the diamond city. Of these, 22 hearts have been donated in Mumbai, 5 in Ahmedabad, 4 in Chennai, one each in Delhi and Indore.

A voluntary organisation Donate Life has been spreading message of donation in Surat and has received good response. Even in corona times there have been cases of organ donation.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

In death, Navsari bizman gives life to six

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Six people got a new lease of life from the organs of a 45-year-old brain-dead businessman from Maroli village of Navsari district on Tuesday.



Businessman Dinesh Chhajed had suffered a paralytic attack on June 11 after his blood pressure shot up. He was rushed to D N Mehta Hospital in Navsari town where a CT scan confirmed a blood clot in his brain. Later he was shifted to a private hospital in Surat. However, the doctors at the private hospital declared Chhajed brain-dead on June 14 and informed Donate Life organization that promotes cadaver organ donation.

"We met the family members of Dineshbhai and counselled about cadaver donation. His wife Jayaben readily agreed. After receiving consent from the family, we informed State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) convener Dr Pranjal Modi and told him about heart, kidneys and liver trans-

plantation," Nilesh Mandlewala of Donate Life told TOL.

As there was no patient in need of a heart transplant in the state, the heart was allotted to a Mumbai-based hospital where it was transplanted into a 30-year-old Navi Mumbai resident. The heart was transported via a chartered flight from Surat to Mumbai on Tuesday morning.

The two kidneys and a liver were transported to Ahmedabad by road. One kidney was transplanted into a 47-year-old woman from Ahmedabad and another into a 17-year-old student from Surat at IKDRC in Ahmedabad. The liver was given to a 43-year-old man from Ahmedabad. Two corneas were handed over to Surat-based Lok Drishti Eye bank.

Chhajed's wife Jayaben said, "My husband had been involved in social service throughout his life. He was always ready to help others in whichever way he could. We have just followed what he had been practicing all his life by donating his organs to people who need them."

Chhajed is survived by his wife and a 13-year-old son Jinag, a class VIII student.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाट, किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ब्रेनडेड दिनेश के अंगदान से सूरत की 17 साल की छात्रा सहित 6 लोगों को मिली नई जिंदगी

ब्लड प्रेशर बढ़ने से बिगड़ी थी तबीयत, 14 जून को ब्रेनडेड घोषित किया

सिटी रिपोर्टर | सूरत

मरोली निवासी ब्रेनडेड दिनेश छाजेड़ के अंगदान से छह लोगों को नई जिंदगी मिली। दिनेशभाई का हार्ट नई मुंबई निवासी 30 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। एक किडनी अहमदाबाद निवासी 47 वर्षीय महिला में और लिवर अहमदाबाद के ही एक 43 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। दूसरी किडनी सूरत की 17 साल की छात्रा में ट्रांसप्लांट की गई। नेत्रदान नई सिविल अस्पताल नेत्र विभाग ने स्वीकार किया। किडनी और लिवर का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद के अस्पताल में किया गया। सूरत से यह 33वां हार्ट दान है। इनमें से 22 मुंबई, 5 अहमदाबाद, 4 चेन्नई और 1-1 इंदौर और नई दिल्ली में ट्रांसप्लांट किया गया।

जानकारी के अनुसार मरोली स्टेशन के सामने रहने वाले दिनेश मोहनलाल छाजेड़ (45) को 11 जून रात 8.30 बजे ब्लड प्रेशर बढ़ने से शरीर के दाएं हिस्से में लकवा का असर देखा गया। इससे परिजन तत्काल नवसारी के एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां सिटी स्कैन



300 किमी दूरी 92 मिनट में तय कर हार्ट मुंबई पहुंचाया

संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि सूरत से ब्रेनडेड दिनेशभाई का हार्ट 300 किमी की दूरी 92 मिनट में तय कर मुंबई पहुंचाया गया। जबकि लिवर और किडनी सङ्क्रमण से 274 किमी की दूरी तीन घण्टे में तय कर अहमदाबाद पहुंचाया। इसके लिए सङ्क्रमण और अस्पताल से एयरपोर्ट तक का मार्ग ग्रीन कॉरिडोर किया गया।

कराने पर पता चला कि ब्रेन स्ट्रोक के कारण दिमाग में रक्त का संचरण बंद हो गया था। अधिक उपचार के लिए सूरत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां न्यूरोसर्जन डॉ. केसी जैन के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने उपचार शुरू किया। 14 जून को डॉक्टरों ने दिनेशभाई को ब्रेनडेड

घोषित कर दिया। जानकारी मिलने पर डोनेट लाइफ के नीलेश मांडलेवाला ने ब्रेनडेड दिनेश के बहनोंहैं रश्मिभाई के माध्यम से पत्ती जयावेन सहित परिवार के सदस्यों को अंगदान के महत्व के बारे में समझाया। परिवार ने ब्रेनडेड दिनेशभाई का हार्ट, किडनी, लिवर और नेत्र का दान किया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ब्रैनडेड व्यक्ति के अंगों से 6 जनों को मिला नया जीवन

बीओटी संवाददाता

सूरत, 15 जून

ब्रैनडेड घोषित अन्य एक व्यक्ति के अंगों के दान से छह जनों को नया जीवन मिला है। हृदय, किडनी, लीवर व आंखें अन्य जरूरतमंद व्यक्तियों में प्रत्यारोपित किए गए हैं।

डोनेट लाइफ के अनुसार 11 जून को दिनेशभाई छाजेड़ को रात्रि के साथ आठ बजे के आसपास रक्तचाप बढ़ जाने से नवसारी में डी.एन. मेहता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सिटी स्केन में उन्हें ब्रैन स्ट्रोक के कारण दिमाग में खून घूमना बंद होने का निदान हुआ था। उन्हें अतिरिक्त उपचार के लिए सूरत में एप्ल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां उपचार के दौरान 14 जून को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रैनडेड घोषित किया था।



डोनटलाइफ के निलेशभाई मांडलेवाला एवं उनकी टीम ने उनके परिजनों को अंगदान की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी थी। दिनेशभाई की पत्नी जयावेन ने कहा कि उनके पति सामाजिक सेवा प्रबृत्ति से जुड़े थे एवं हमेशा दूसरों को मदद करने के लिए प्रेरित करते थे। इसलिए परिजनों ने उनके अंगों का दान करने का

निर्णय किया था। उनकी किडनी अहमदाबाद की निवासी 47 वर्षीय महिला एवं सूरत की 17 वर्षीय विद्यार्थिनी में प्रत्यारोपित किया गया। लीवर अहमदाबाद के 47 वर्षीय व्यक्ति एवं हृदय मुंबई में एक 30 वर्षीय व्यक्ति में प्रत्यारोपित किया गया। उनकी आंखें भी दो जरूरतमंद व्यक्तियों को दी गईं।

मर कर भी दे गया छह को जीवनदान

ब्रैनडेड युवक का हृदय, किडनी, लीवर और चक्षुओं का किया दान

बीओटी संवाददाता
सूरत, 15 जून

मरीजी का ब्रैनडेड युवक चूट तो यह संसार सोड़ कर हमेशा के लिए चला गया, लेकिन वह छह लोगों को जीवनदान दे गया। ब्रैनडेड युवक का हृदय, किडनी, लीवर और चक्षुओं का दान किया गया, जिससे छह अप्रियों को जीवनदान मिला है।

डोनेट लाइफ संस्था के अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला ने जानकारी देते हुए कहाया कि मरीजी नियासी दिनेश मांडलेवाला जोड़े (45 वर्ष) का



जात 11 जून को सुधाह अचानक बढ़ा का असर हुआ। फहले उसे नवसारी प्रेशर बढ़ गया और लंबे में लकवा

90 मिनट में गुग्लई पहुंचाया गया

यहां वहा से विशेष इलाज के लिए मृत की एप्ल हास्पिट में भर्ती किया गया। 14 जून को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रैनडेड घोषित किया। इसके बाद उनके परिजनों को अंगदान का महत्व और प्रक्रिया के बारे में समझाया गया। दिनेश की पत्नी ने कहा कि वे अलग अलग मैकाक्षीय प्रूफिलियों से जुड़े हुए थे। वे हमेशा यह मानते थे कि जीवन में दुसरी को

मदद रूप होना चाहिए। उनकी हास मीठ के साथ परिजनों ने अंगदान के लिए महसूल दी। अंगदान की प्रक्रिया के बारे में विलात उनका एक नियमी अस्पताल में से जारी

हृदय सूरत से 92 मीनट में 300 किलो मीटर का ओले पृष्ठ कर मुख्य की नियमी अस्पताल में भर्ती नव चुनी नियमित 45 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया। इसके अलावा किडनी का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद की अलग अलग हास्पिटों में भर्ती 47 वर्षीय महिला और सूरत की 17 वर्षीय लाज में विलात यह जबकि चक्षुओं का दान न्यू चिलिंग अस्पताल में किया गया। इस प्रकार एक ब्रैनडेड व्यक्ति के अंगदान से जीवनदान रह जायेगी जो जीवनदान मिलने से उनके जीवन में खुशहाली आ गई है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ब्रेनडेड के अंगदान से फिर छह को मिला नवजीवन



सूरत के चिकित्सकों की टीम ने हृदय को मुंबई और किडनी लीवर को अहमदाबाद पहुंचाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत नवसारी के मरोली निवासी एक व्यक्ति के ब्रेनडेड होने पर चिकित्सकों ने अंगदान का निर्णय किया। जिससे छह जनों को नई जिंदगी मिली है। ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सूरत से हृदय लेकर चिकित्सकों की टीम ने मुंबई की 300 किमी की दूरी 92 मिनट और अहमदाबाद 274 किमी की दूरी महक मार्ग से 180 मिनट में तय की।

नवसारी निवासी दिपेश घोषनलाल खाजड़ 45 वर्ष की 11 जन को गहरे स्नाने आठ बजे अचाहानक बजे प्रशंशन से पैरालिंगिस हुआ। परिजनों ने उनके नवसारी डीएन मेहता पारसी अस्पताल में भर्ती करवाया। रोटी मैकेन रिपोर्ट में थोन स्टोक को पुष्टि की गई। चिकित्सकों ने उन्हें सूरत के एप्पल अस्पताल में रेफर किया। न्यूरोसफ्टन डॉ. के. सो. जैन समेत अन्य चिकित्सकों ने 14 जून को दिनेश को थोन डेंड घोषित किया।

सूचना प्रिलंगे पर थोन लाइफ प्रमुख निलम्ब माइलेजला ने उनके परिवार को अंगदान की जानकारी दी। सहमति प्रिलंगे पर उन्होंने स्टेट ऑर्गन एंड ट्रांस्फ्यु ट्रांसलाइट ऑर्गानोजेनेशन (एसओटीटीओ) के कन्वेन्ट डॉ. प्राज्ञन मोदी से समर्पक किया। एसओटीटीओ ने हृदयदान मुंबई सर एच. पन, रिलायंस फार्मासियन अस्पताल और किडनी व लीवर अहमदाबाद के जयधम और आकेशीउडासी को दिया। जबकि चम्पाओं का दान न्यू सिंचिल अस्पताल के नेत्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. प्रीति कापडिया के निर्देश पर सिंचिल अस्पताल ने स्वीकार किया।

थोनडेड दिनेश का हृदय मुंबई



सूरत से मुंबई 92 मिनट में पहुंचा हृदय

हृदय, किडनी और लीवर को मुंबई और अहमदाबाद पहुंचाने के लिए दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए थे। इसमें शहर पुलिस के लाय दूसरे शहरों के पुलिस की भी मदद ली गई। सूरत के एप्पल अस्पताल से मुंबई 300 किमी की दूरी ग्रीन कॉरिडोर के साथ हृदय मार्ग से 92 मिनट में पुरी की गई है। वही, सूरत से अहमदाबाद 274 किमी की दूरी सड़क मार्ग से 180 मिनट में तय की गई है।

अब तक 816 को मिला नया जीवन

ठोनेट लाइफ की ओर से बताया गया कि गुजरात से हृदयदान का 43वाँ और सूरत से 33वाँ मामला है। इसमें 22 हृदय मुंबई, 5 हृदय अहमदाबाद, 4 हृदय थोन, 1 एक-एक हृदय हृदोर व नई दिल्ली में ट्रांसलाइट किए गए हैं। इसके अलावा 386 किडनी, 159 लीवर, 8 पैन्क्रीसाइज, 33 हृदय, 14 फेफड़े और 290 धूम्रजी समेत कुल 888 अग लेकर 816 जून की नया जीवन दिया है।

निवासी 30 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसलाइट किया गया है। वहीं, एक किडनी अहमदाबाद की 47 वर्षीय महिला, दूसरी किडनी को सूरत की 17 वर्षीय लड़का और लीवर अहमदाबाद के 43 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसलाइट किया गया है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

सूरत से धड़कता दिल मुंबई में ट्रांसप्लांट, 300 किमी दूरी 92 मिनट में तय की गयी

जैन समाज के ब्रेनडे क्लिनेश्याइंड के अंगदान से 44 लोगों को मिला नया जीवन

लोकतंज संवाददाता

अंगदान के लिए देशभर में मशहूर हो रहे सूरत से फिर से दिल, किडनी, लीवर और आंखें दान किया गया। विशा ओसवाल जैन समाज के ब्रेनडे क्लिनेश्याइंड मोहनलाल छांजेड़ के परिवार ने दिल, किडनी, लीवर और आंखें दान कर छह लोगों को नया जीवन प्रदान किया। वहाँ मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दी है। सूरत से मुंबई में रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल तक की 300 किमी की दूरी 92 मिनट में काटकर नवी मुंबई के निवासी 30 वर्षीय व्यक्ति में हृदय प्रत्यारोपण किया गया।

11 जून को रात 8:30 बजे अचानक दिनेश्याइंड का रक्तचाप में वृद्धि होने से शरीर के दाहिने हिस्से में पक्षाघात की असर हुई। उन्हें तुरंत नवसारी के डीएन मेहता पारसी अस्पताल में भर्ती कराया गया और निदान के लिए सीटी स्कैन किया गया। सीटी स्कैन रिपोर्ट में ब्रेइन स्ट्रोक के कारण दिमाग में दाहिने हिस्से में खुल का बहाव बढ़ होने का निदान किया गया था।

प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सूरत के एप्पल अस्पताल में न्यूरोसर्जन डॉ. के.सी. जैन के निगरानी में आगे के इलाज के लिए भर्ती कराया गया। सोमवार 14 जून को न्यूरोसर्जन डॉ. के.सी. जैन, न्यूरोफिशियन डॉ. परेश जंजमेरा, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. धनेश



वैध और एनेस्थेटिस्ट डॉ. नियति दवे ने दिनेश्याइंड को ब्रेन डेर्ड प्रोपिट कर दिया।

डॉ. विकासवेन देसाई, न्यूरोसर्जन डॉ. के.सी. जैन, दिनेश्याइंड के बहनोई रश्मिन कुमार, दिनेश्याइंड की पत्नी जयवेन, साले हितेश्याइंड और महेश्याइंड, साहुभाइ नीलेश्याइंड और विजयभाइ, बहनोई रमेश्याइंड और विनोद्याइंड के साथ रहकर उन्हें अंगदान के महत्व और प्रक्रिया की जानकारी दी। दिनेश्याइंड की पत्नी जयवेन, जो आईसी में एक उच्च ग्रेड सहायक के रूप में काम करती है उन्होंने कहा कि मेरे पति विभिन्न सेवा गतिविधियों में शामिल थे। उनका हमेशा जीवन में विश्वास था कि हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए। तो जब मेरे पति का ब्रेन डेर्ड हो गया है और उनकी मृत्यु निश्चित है, तो शरीर जलकर राख हो जाएगा। अगर मेरे ब्रेन डेर्ड पति के अंगदान के माध्यम से अंग

विफलता रोगियों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, तो अंगदान के लिए आगे बढ़ें।

सूरत के एप्पल अस्पताल से अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल तक की 274 किलोमीटर की दूरी 180 मिनट में काटकर किडनी अहमदाबाद की एक 47 वर्षीय महिला और लिवर अहमदाबाद के एक 43 वर्षीय व्यक्ति में प्रत्यारोपण किया। दिल, किडनी और लीवर को समय पर मुंबई और अहमदाबाद पहुंचाने के लिए दो ग्रीन कॉरिडोर बनाए गए। जिसमें सूरत शहर पुलिस के साथ-साथ राज्य के विभिन्न शहर और ग्रामीण पुलिस का सहयोग प्राप्त हुआ। सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ द्वारा दान में मिले कुल 888 अंगों में 386 गुर्दे, 159 जिगर, 8 अग्न्याशय, 33 दिल, 14 फेफड़े और 290 आंखें दान की गईं। 816 लोगों को अंगदान के माध्यम से नया जीवन और द्रष्टा प्रदान की गयी।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

બ્રેઇનડેસ વેપારીનું હૃદય 92 મિનીટમાં જ મુંબઈમાં દાખલ યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
અમદાવાદની ઝાયડસ હોસ્પિટલમાં
અને બીજુ કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
IKDRC હોસ્પિટલમાં કરાયું

શ્રીવિશા ઓસવાળ જૈન સમાજના
દિનેશ છાજેડના પરિવારે હૃદય,
કિડની, લિવર અને ચયસુઓનું દાન
કરી છ વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું

સુરત : મરોલીના રેલવે સ્ટેશનની સામે રહેતા
દિનેશ મોહનલાલ છાજેડ (ઉ.વ. 45) પાલમાં જુનાગ
એલ્યુમિનિયમના નામથી ખાદીંગ દરવાજા અને
ગ્લાસ ફિલ્ટર્સનો વ્યવસાય કરતા હતા. તેઓને તા.
11મી જૂનના રોજ રાત્રે સાડા આઠ વાગ્યે બ્લડપ્રેશર
વધી જતા તાત્કાલીક નવસારીની પ્રાઇવેટ
હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. તેમની તબિયત
વધારે લથડતાં સુરતની એપલ હોસ્પિટલમાં
દાખલ કરાયા હતા. તેણું દિવસની સારવાર બાદ
તા. 14મી જૂનના રોજ દિનેશભાઈને ડોક્ટરોએ
બ્રેઇનડેસ જાહેર કર્યા હતા. ત્યારબાદ દિનેશભાઈના
અંગોનું દાન કરવા માટે તેમના પરિવારને સમજ
આપવામાં આવી હતી. દિનેશભાઈના પટ્ણી કે
જેઓ એલાદાસીમાં ફરજ બજાવે છે તેઓએ કહ્યું
હતું કે, તેઓ જુવનમાં હુંમેશા એવું માનતા હતા
કે આપણે બીજાને મદદરૂપ થવું જોઈએ. આથી



જ્યારે મારા પતિ બ્રેઇનડેસ છે અને તેમનું મૃત્યુ
નિશ્ચિત જ છે ત્યારે શરીર તો બળીને રાખ થઈ
જવાનું છે, ત્યારે મારા બ્રેઇનડેસ પતિના અંગોના
દાન થકી ઓર્ગન નિષ્ફળતાના દર્દીઓને નવજીવન
મળતું હોય તો અંગદાન માટે આપ આગળ વધો.
આ અંગે માહિતી આપતા ડોનેટ લાઇફના રાજેશ
જૈનએ જણાવ્યું હતું કે, જ્યાબેનની મંજૂરી બાદ
દિનેશભાઈની કિડની અને લિવરનું અમદાવાદની
ઝાયડસ હોસ્પિટલમાં 43 વર્ષિય મહિલાને જ્યારે
બીજુ કિડની આધકેડીઆરસી હોસ્પિટલમાં 17
વર્ષિય યુવકને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. જ્યારે
હૃદયને સુરતની એપલ હોસ્પિટલથી મુંબઈનું 300
કિલોમીટરનું અંતર માત્ર 92 મિનિટમાં ચાર્ટર પ્લેન
મારફતે મુંબઈના 30 વર્ષિય યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ
કરાયું હતું. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી
ડોનેટ લાઇફ દ્વારા 386 કિડની, 159 લિવર, 8
પેન્કીઆસ, 33 હૃદય, 14 ફેફસાં અને 290 ચયસુઓ
કુલ 888 અંગો અને ટીરચ્યુઓનું દાન મેળવીને 816
વ્યક્તિઓને નવજીવન અને નવી દ્રષ્ટી બક્ષવામાં
સફળતા મળી છે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેસ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

માનવતા મહેકી

કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની બે અલગ અલગ હોસ્પિટનાં કરવામાં આવ્યું

જૈન યુવાનના અંગદાનથી છ લોકોને મળ્યું નવજીવન

૬૨ મિનિટમાં ૩૦૦ કિમીનું અંતર કાપી હદ્દયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ નવી મુંબઈના ત૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં થયું

| સુરત |

જૈન સમાજના દિનેશભાઈ મોહનલાલ છાંડેના પરિવારે તેમના હદ્દય, કિડની, લિવર અને ચયુઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન બલી માનવતાની મહેક ફેલાવી છે. સુરતની મુંબઈ ૩૦૦ કિમીનું અંતર દર મિનિટમાં કાપી હદ્દયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ નવી મુંબઈના રોકાની ૩૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવાનો આવ્યું હતું. એ કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની જૂદીજૂદી હોસ્પિટનાં કરવામાં આવ્યું હતું.

પાપન વિજિત અનુસાર મુણ મહારાષ્ટ્રમાં માપવનગરના અને છાંદ્ઘાં વલાં વાંચોંચી મરોંચી રેખવે સ્ટેનનની સારે રહેતા વિશ્વા આંસુવાળ જૈન સમાજના પ્રાપ્ત વર્ષીય દિનેશભાઈ મોહન છાંડેનને જેત તા. ૧૧ જૂનની



સારે અંગ પ્રેશર વર્ષી જતા સરીરમાં જમણી ભાજુ લક્ષ્યાની અસર થઈ હતી. તેમને તાત્કાલિક નવસારીમાં માનવી હોસ્પિટમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા હતા. સીટી સેન કરવાના બેઠિન સ્ટ્રોકને કારણે મગજમાં ડાની

બાજુ લોલી કરતું બંધ થઈ ગયું હોવાનું નિદાન થયું હતું. તંત્ર પાણપિક સારવાર આપા આદ વધુ સારવાર માટે તેમને સુરતની માનવી હોસ્પિટમાં સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી. નાનીઓને જત સોભવારે દિનેશભાઈને બેઠિનેડ

સુરતમાં હદ્દયદાનની ૩૩મી ઘટના બની

સુરતની ડોનેટ લાઇઝ લારા હદ્દયદાન કરાવવાની રોડ ટ્રોન્સ્ફર ઘટના હે. વેમાંથી ૨૨ હદ્દય મુંબઈ, ૫ હદ્દય અમદાવાદ, ૪ હદ્દય હોલ્યાર્ડ, ૧ હદ્દય દાનારોડ અને ૧ હદ્દય નવી ડિલ્લી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાના આવ્યા હે. ચાયરુઓનું દાન સુરત નવી સિલિલ હોસ્પિટની સ્ટીકાંબુ હતું. ઉત્તેખાનીએ હે. અગ્રાન કરવામાં સુરત અને દાનારા ગૃહરાત અલ્લારસ્કુલી સીદી આગામ નાંદાયું હે.

ગ્રીન કોરિડોર બાળાવી અંગોને મુંબઈ-અમદાવાદ મોકલાયાં

સુરતની મુંબઈનું ૩૦૦ કિમીનું અંતર દર મિનિટમાં કાપી હદ્દયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ નવી મુંબઈના રહેવાસી ૩૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું હે. એક કિડની ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી હડ વર્ષીય મહિલામાં અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના રહેવાસી હડ વર્ષીય વ્યક્તિનું કરવામાં આવ્યું હતું.

જોહેર ક્રોંક ડાન.

ડૉ. નિલેશ માંડલેવાને અને ચાનુનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું. દિનેશભાઈના પરિજીવનોને અંગદાનનું સંયુક્ત પરિવારમાં ઉછ્વાસ માટે અને તેની સમગ્ર પરિષ્ય હિનેશભાઈ છાંડેના પરિવારમાં સમજાવી હતી. તેમના પરિજીવનોને તેમના વયસ્ક પ્રિન્સ ઉપરંત તેમની અંગદાન કરવા માટે તરત સાજ થઈ પણી અને ૧૩ વર્ષનો એક પુત્ર હે.

સુરતથી ધબકક્તું હદ્દય ૯૨ મિનિટમાં ૩૦૦ કિમી દૂર મુંબઈમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

જૈન સમાજે અંગદાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષવા સાથે માનવતાની મહેક ફેલાવી

અભક્ત લાગુ મુલા

અંગદાન માટે દેશભરમાં જાણીતા થઈ રહેલા સુરતમાંથી કરી હદ્દય, કિડની, લિવર અને ચયુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું. વિદ્યા આંસુવાળ જૈન સમાજના દિનેશભાઈ મોહનલાલ છાંડેના પરિવારે તેમના હદ્દય, કિડની, લિવર અને ચયુઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન બસ્થું હતું. સાથે જ માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિલ્લા બતાવી હે. સુરતની મુંબઈનું ૩૦૦ કિ.મીનું અંતર ૯૨ મિનિટમાં કાપીને

હદ્દયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ નવી મુંબઈમાં સરીરમાં રહેવાસી ૩૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં સરીરમાં રહેવાસી અને નિદાન થયું હતું. ૧૧ જૂનના રોજ દિનેશભાઈને રાને બ્લડ પ્રેશર વર્ષી જગ્યાને કારણે શરીરમાં જમણી ભાજુ લક્ષ્યાની અસર થતાં નવસારીમાં ડી.એન. મહેતા પારસી હોસ્પિટમાં દાખલ કરી નિદાન માટે સીટી સેન કરવાના બેઠિન સ્ટ્રોકને કારણે મગજમાં ડાની ભાજુ લોલી કરતું બંધ થઈ ગયું હોવાનું નિદાન થયું હતું. આ પછી તેમને સુરતની મેપલ હોસ્પિટમાં ન્યૂયોર્કન ડે.કે.

કરી સારવાર લેણી દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી હતી. ૧૪ જૂનના રોજ ન્યૂયોર્કન ડે.કે.સી. જીન, ન્યૂરોકીલ્યુશીયન ડે.પરેશ જાંગમેચા, નેશનોલોજીસ્ટ ડે. ધનેશ વેદ, અને જેનેસેટીસ્ટ ડે. નિયતિ દેવાને હિનેશભાઈને બેઠિનેડ જાહેર કર્યા. ડી.વિકાસભેન દેસાઈ, ન્યૂયોર્કન ડે.કે.સી.જીન હિનેશભાઈના બનેવી રચીનું કુમારની સાથે રહી હતી. હિનેશભાઈના પતિ જીવાબેન જીવાયું કે મારું પતિ જૂદી જૂદી સેવાકીય પ્રવૃત્તિઓ સાથે સંકાળિતાથી હતા. આથી મારું પતિ બેઠિનેડ છે અને તેમનું મૃત્યુ નિષ્ઠિત જ છે તારે શરીર તો બળીને રાખ થઈ જવાનું છે, ત્યારે મારું પતિ બેઠિનેડ પતિના અંગાના દાન દરી ઓર્ગેન નિષ્ઠિત જ છે. નિષ્ઠિત જ હોસ્પિટના નવી મુંબઈના રહેવાસી હડ વર્ષીય વ્યક્તિનું કરવામાં આવ્યું હે.

રમેશભાઈ અને વિનોદભાઈ તેમજ પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હતી. દિનેશભાઈના પત્ની જ્યાબેન જીવાયું કે મારું પતિ જૂદી જૂદી સેવાકીય પ્રવૃત્તિઓ સાથે સંકાળિતાથી હતા. આથી મારું પતિ બેઠિનેડ છે અને તેમનું મૃત્યુ નિષ્ઠિત જ છે તારે શરીર તો બળીને રાખ થઈ જવાનું છે, ત્યારે મારું પતિ બેઠિનેડ પતિના અંગાના દાન દરી ઓર્ગેન નિષ્ઠિત જ છે. નિષ્ઠિત જ હોસ્પિટના નવી મુંબઈના રહેવાસી હડ વર્ષીય વ્યક્તિનું કરવામાં આવ્યું હે.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હદ્દયાન... "



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સુરતથી મુંબઈનું 300 કિ.મીનું અંતર 92 મિનિટમાં કાપી હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

» 45 વર્ષના હિનેશ મોહનલાલ છાજેડના પરિવારે તેમના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું

નવગુજરાત સમય > સુરત

■ સુરતના ડોનેટ લાઇફ સંસ્થા દ્વારા છેલ્લા કેટલાક વર્ષોથી સુરત ઉપરાંત સમગ્ર દક્ષિણ ગુજરાતના વિસ્તારમાં લોકોને અંગધાન અંગે માહિતગાર કરી અંગધાન કરવામાં માટે જાગૃત કરવામાં આવી રહ્યા છે. આજે સુરતના બ્રેઇન ૩૫ જાહેર કરવામાં આવેલા 45 વર્ષના પુવાનના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરવાની ઘટના સામે આવી છે. જેના કરણે છ વ્યક્તિઓને નવું જીવન મળ્યું છે. સુરતથી મુંબઈનું



300 કિ.મીનું અંતર 92 મીનિટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ નવી મુંબઈના રહેવાસી 30 વર્ષના પુવાનમાં સર એચ.એન.રિલાયન્સ ફાઉન્ડેશન હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

11 જુનના સુરતના મરોલીના રહેવાસી અને પાલમાં સ્લાઈટિંગ દરવાજા અને ગ્લાસ ફિટિંગના વ્યવસાય સાથે સંકળયેલા 45 વર્ષના હિનેશભાઈને એકાએક બ્લડ પ્રેશરવધી જવાને કારણે લક્વાની અસર થતા સુરતની એપલ હોસ્પિટલમાં સારવાર દરમિયાન તેઓને બ્રેઇન ૩૫ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

કિડની અમદાવાદ

ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઇ

સુરતની એપલ હોસ્પિટલથી અમદાવાદની ગ્રાયડસ હોસ્પિટલમાં એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ 47 વર્ષની મહિલામાં અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ 43 વર્ષના વ્યક્તિમાં અને બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની KORC હોસ્પિટલમાં સુરતની 17 વર્ષની વિદ્યાર્થીનીમાં કરવામાં આવી રહ્યું છે.

રાજ્યમાં 43 હૃદયદાનમાંથી

સુરતમાંથી 33મી ઘટના

ગુજરાતમાંથી હૃદયદાનની આજે 43મી ઘટના જની હતી. જેમાં એકલા સુરતમાંથી ડોનેટ લાઇફ દ્વારા હૃદયદાન કરાવવાની આ 33મી ઘટના છે, જેમાંથી 22 હૃદય મુંલઈ, 5 હૃદય અમદાવાદ, 4 હૃદય ચેન્નાઈ, 1 હૃદય દિલ્હી અને 1 હૃદય નવી દિલ્હી ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યા છે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

શ્રેષ્ઠ દાન

સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હૃદયદાનનો ત૩મો કિસ્સો, કુલ ૩૮૬ કિડનીનું દાન

મુંબઈ-અમદાવાદના બે ગ્રીન કોરીડોર બનાવી હને બચાવાયાં

શ્રીવિશા ઓસવાળ જૈન સમાજના દિનેશ મોહનલાલ છાજેડાના પરિવારે તેમના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્કાઓનું દાન કરી માનવતાની મહેંક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બટાવી

સુરત, ના. ૧૫
સુરતથી મુંબઈનું ૩૦૦ કિ.મીનું સુરતનું ૨૭૪ કિ.મી દેંડ માર્ગનું અને માત્ર ૮૨ મીનીટમાં કાપીએ અને ૧૮૦ મીનીટમાં કાપીન સુરતના દિનેશ મોહનલાલ છાજેડાના દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક હૃદયનું ટ્રોન્સપલાન નવી મુંબઈના કિડનીનું ટ્રોન્સપલાન અને અમદાવાદની રેલ્વેસાથી ૩૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરીને રેલ્વેસાથી ૪૦ વર્ષીય મહિલામાં અને તેનું હૃદય અનુભવવામાં આવ્યું હતું, લિવરનું ટ્રોન્સપલાન અને અમદાવાદના મુંબઈ અને અમદાવાદના બે ગ્રીન રેલ્વેસાથી ૪૦ વર્ષીય વ્યક્તિમાં અમદાવાદની જાપાની લોસિટલામાં અને લિવર અને ચક્કાઓ પણ દાન નથી થિયા એવી કિડનીનું ટ્રોન્સપલાન અને ચક્કાઓનું દાન કરવામાં આવ્યો હતું.

સુરતની એપલ લોસિટલાની ૧૦ વર્ષીય વિદ્યાર્થીનીમાં કરવામાં આવ્યો રહ્યું છે.



હૃદય, કિડની અને લિવર સમયસર મુંબઈ અને અમદાવાદ પોલોયાદ્વા માટે બે ગ્રીન કોરીપ્રેર અનુભવવામાં આવ્યા હતા. એમાં સુરત સહેર પોલીસ તેમજ રાયપણા વિધિપ સહેર અને આપ પોલીસનો સહાય સાપણો હતો.

સુરત અને ઇલિયલ કુલારાલ માંથી ગેનેટ લાઈફ દાન ઉદ્ઘાટની, ૧૮૮ લિવર, ૮ પોલીયાસ, ૩૩ હૃદય, ૧૪ કેંદ્રાં અને ૨૬૦ ચક્કાનો કુલ ૪૮૮ અન્યો અને વીસ્યુઅન્નુ દાન મેળવીને ૧૧૯ વ્યક્તિમાને નવુંકરણ અને નવી દીરી બચાવામાં સહેતા મળી છે.

ગેનેટ લાઈફ નેમજ સમગ્ર સમાજ સ્વદિનેસાથી મોહનલાલ છાજેડાના પરિવારને તેમના એ પ વિત કર્યું એવી એવી સમાજને ઉમદા ઉદ્ઘાટક પૂર્ણ પાદ્ય માટે નાના સંસ્કરણ વિના કરે છે.

મરોલીના ૪૫ વર્ષના આધેડનું હૃદય મુંબઈના ૩૦ વર્ષના યુવાનમાં ધબકતું થયું

(પ્રાણનીપણ દાન)

સુરત, મંગલવાર
નવસારીના મરોલીના શ્રી વિશા ઓસવાળ જૈન સમાજના આધેડની નાનીયત અનુભવ આદ્ય જોનેડ કર્યા હ્યાદ પરિવાર દાન હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્કાનો હૃદયનું ટ્રોન્સપલાન નવી મુંબઈના રેલ્વેસાથી ૩૦ વર્ષીય પુષ્પકાળ કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતથી મુંબઈનું ૩૦૦ કિ.મીનું અને ૮૨ મીનીટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રોન્સપલાન નવી મુંબઈના રેલ્વેસાથી ૩૦ વર્ષીય પુષ્પકાળ કરવામાં આવ્યું હતું. મરોલી ખાન રેલ્વે સુરતનાની સામે રહેતા ૪૦ વર્ષીય દિનશરીમાં મોહનલાલ છાજેડાને ગત તા. ૧૧મીને રાતે અકાંક્ષ બ્લડ પ્રેસર વર્ષી જતા શરીરમાં જમણી બાજુ લક્ખાની અસર પતા તરત નવસારીની ખાનગી લોસિટલામાં દાખલ કર્યા હતા. જ્યાં પેટનેનેસેઝ કથાનું નિદાન કરતા સુરતની



ગ્રીન કોરીપ્રેર કરીને દ્વારા ચિનિટમાં મુંબઈ પાલોયાદ્વા ૩૦ વર્ષના કથાનમાં ટ્રોન્સપલાન કરાવું હતું. એક કિડની ગ્રીન કોરીપ્રેર કરી ૧૮૦ મિનિટમાં અમદાવાદ પાલોયાદ્વા અમદાવાદની ૪૦ વર્ષની મહિલાને અન્ય કિડની સુરતની ૧૦ વર્ષની વિદ્યાર્થીને, લિવર અનુભવવાના ૪૩ વર્ષની રીતીને ટ્રોન્સપલાન કરાવું હતું. ચક્કાનું દાન નવી સિવિલ લોસિટલાના ઓફિસમોલોક વિમાનના વડા ગા.પ્રોફીનિ કાપીયાના માગદેશન હેઠળ નવી સિવિલ લોસિટલાની સ્વીકૃતું હતું. દિનશરીમાં પાન્નો જાપાને એકાંક્ષાનીસૌંધાઈરેક આરિસટન્ટ ટર્નિક્ટ કરજ બજાવે છે, તેમનો ૧૩ વર્ષીય પુરુષ જીના નવસારીની સ્ક્રૂસાં પારસાટમાં અનુભવ કરે છે. દિનશરીમાં સુરતના પાલ ખાતે એલ્યુમિનિયમ અને સ્લાઇઝિંગ ટ્રેનિંગનો વિવરાય કરતા હતા.

વિશા ઓસવાળ જૈન સમાજના આધેડના અંગોના દાનથી એવું કિડનીને નવજીવન મળ્યું: હૃદય ૮૨ મિનિટમાં મુંબઈ પહોંચાડાયું

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હૃદયદાન... "



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

જૈન સમાજના બ્રેનડેડ આધેડના અંગોનું દાન, 6ને નવું જીવન મળ્યું સુરતથી મુંબઈનું 300 કિ.મીનું અંતર 92 મિનિટમાં કાપીને હદ્દયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના યુવાનમાં કરાયું

હેલ્થ રિપોર્ટર | સુરત

જૈન સમાજના બ્રેનડેડ આધેડના અંગોનું દાન કરી છાજેડ પરિવારે હ વ્યક્તિઓને નવું જીવન આપી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

મરોલી રેલ્વે સ્ટેશનની સામે રહેતા દિનેશભાઈ મોહનલાલ છાજેડ(૪૫) પાલમાં જીનાગ અલ્યુમીનિયમના નામથી સ્લાઇટિંગ દરવાજા અને ગ્લાસ ફિટિંગનો વ્યવસાય કરતા હતા. ગઈતા. ૧૧મી જૂનના રોજ રાતે તેમને અચાનક બ્લડ પ્રેશર વધી જવાના કારણે જમણી બાજુ લકવાની અસર થતા તાત્કાલિક નવસારીની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં નિદાન માટે સીટી સેન કરવતા બ્રેઇન સ્ટ્રોકના કારણે મગજમાં ડાબી બાજુ લોહી ફરતું બંધ થઈ ગયું હોવાનું નિદાન થયું હતું.



દિનેશભાઈ

પ્રાથમીક સારવાર બાદ તેમને સુરતની એપલ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યાં ડોનેટ લાઈફની ટીમે પરિવારને ઓર્ગન ડોનેશનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવારની સંમતી બાદ ડોનેટ લાઈફ દારા સોટોનો સંપર્ક સાધી કિડની, લિવર અને હદ્દયના દાન માટે જણાવ્યું હતું. રાજ્યમાં હદ્દયના ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈ દર્દીન હોવાના કારણે સોટો દારા રોટો મુંબઈનો સંપર્ક કરાયો હતો અને રોટો દારા હદ્દય મુંબઈની સર એચ.એન. રિલાયન્સ ફાઉન્ડેશન હોસ્પિટલને જીનવવામાં આવ્યું. તેમજ સોટો

દારા એક કિડની અને લિવર અમદાવાદની જાયડસ હોસ્પિટલ અને બીજી કિડની અમદાવાદની આઈકીઆરસીને જીનવવામાં આવી. મુંબઈની સર એચ.એન. રિલાયન્સ હોસ્પિટલની ટીમે હદ્દયનું દાન સ્વિકાર્યું હતું અને સુરતથી મુંબઈનું 300 કિ.મીનું અંતર ૯૨ મીનિટમાં કાપી હદ્દયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના ૩૦ વર્ષિય યુવકમાં કરાયું હતું. જ્યારે કિડની અને લિવરનું દાન જાયડસ હોસ્પિટલની ટીમે આવી સ્વિકાર્યું હતું જેમાંથી એક કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની ૪૭ વર્ષિય મહિલામાં અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના યુવાનમાં તેમજ બીજી કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ આઈકીઆરસીની ટીમ દારા સુરતની ૧૭ વર્ષિય વિદ્યાર્થીનીમાં કરવામાં આવ્યું છે.

" જીતે જી રહ્તાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્દયાદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 15th June, 2021

386
KIDNEY
159
LIVER
8
PANCREAS
33
HEART
14
LUNGS
290
CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative of organ donation

Which has given new lease of life &
vision to 816 persons across the country & globe

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."